## Star and hepublican Bamuex

buehlir, editoz and proprietor

POETRY

|  |  |
| :---: | :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |



## 

##  





| Miscellaneous. |
| :---: |
| "Live not to thyself!" |
| Mravirul exrrec |
| dained by Goid to whicht twish o ocally your |
|  |
|  |
|  |
| 1 know that many pray a conspicouss |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
| not Pal Of T Tar |
|  |
|  |
| huiasm less fervent-his |
|  |
|  |
| ded wive as many |
| destroyed silips. |
|  |
|  |
|  |
|  |
| Itave pasaci avay forerer |
|  |
|  |
| senses of the wort: Th |
|  |
| Sest The one ilived to exatit manat in |
|  |
| ank antion ata loverif if in hit power |
|  |
|  |
| -babher, 1 madma |
| men mather than notd |
|  |
|  |
|  |
| io or His piace for Hed dedesition |
|  |
| are itsel cuery: |
| He, fr |
|  |
|  |
| aile momion in life eye, |
|  |
| in thas on thy bosom. |

GETTYSBURG, PA., FRIDAY EVENING, JANUARY 16, 1846;





